

**सव्यचारी** पुं. (तत्.) अर्जुन का एक नाम, बाएँ हाथ से भी धनुष-बाण चला सकने के कारण यह नाम पड़ा था।

**सव्यभिचार** पुं. (तत्.) न्यायदर्शन हेत्वाभास के पाँच भेदों में से एक।

**सव्यसाची** पुं. (तत्.) अर्जुन वि. जो दाहिने और बाएँ दोनों हाथों से सब काम समान रूप से कर सकता हो।

**सव्यापार** वि. (तत्.) कार्य में लगा हुआ, जो बेकार न हो।

**सव्रण** वि. (तत्.) घायल, व्रणयुक्त।

**सव्रीड** वि. (तत्.) लज्जालु, लज्जित।

**सशंक** वि. (तत्.) सशंकित, भययुक्त, डरा हुआ, सहमा हुआ।

**सशंकना** अ.क्रि. (तत्.) डरना, शंकायुक्त होना।

**सशक्ति** वि. (तत्.) बलशाली।

**सशपथ** क्रि.वि. (तत्.) शपथपूर्वक, कसम खाकर।

**सशब्द** वि. (तत्.) शब्द के साथ, शोरगुल के साथ।

**सशरीर** वि. (तत्.) पार्थिव शरीर के साथ जैसे-सशरीर स्वर्ग जाना।

**सशर्त** वि. (तत्.+फा.) शर्त के साथ, कुछ प्रतिबंधों के साथ।

**सशल्लक** वि. (तत्.) छिलकेदार पुं. एक प्रकार की मछली।

**सशल्य** वि. (तत्.) काँटेदार।

**सशोथ** वि. (तत्.) सूजन युक्त।

**सशमश्रु** वि. (तत्.) दाढ़ी वाला, दढ़ियल।

**सश्रीक** वि. (तत्.) 1. शोभायुक्त 2. भाग्यवान्।

**सश्लेष** वि. (तत्.) श्लेषयुक्त, एक से अधिक अर्थ वाला।

**सशवास** वि. (तत्.) श्वासयुक्त, जीवित।

**ससत्त्व** वि. (तत्.) शक्ति या सामर्थ्य से युक्त।

**ससृजय** पुं. (तत्.) एक पक्षी।

**सस्वेदा स्त्री** (तत्.) 1. ऐसी कन्या जिसका कौमार्य अभी-अभी भंग हुआ हो 2. दूषित कन्या।

**सहंगा** वि. (अनुकरण.) सस्ता, महँगा का उल्टा या विपरीत।

**सह** वि. (तत्.) 1. सहन करने वाला, सहनशील, सहिष्णु 2. जो किसी प्रकार का प्रभाव सहन करने में यथेष्ट समर्थ हो 3. उपस्थित, विद्यमान 4. सादृश, समान 5. सक्षम उप. 1. सहित, साथ 2. क्रिया, संज्ञा, विशेषण आदि के पहले उपसर्ग के रूप में साथ-साथ का अर्थ 3. किसी के अधीन या सहायक।

**सहअपराधी** पुं. (तत्.) अपराध में सहायक व्यक्ति, अपराधी का साथी।

**सहअस्तित्व** पुं. (तत्.) 1. साथ-साथ जीवित रहना; एक साथ मिलकर रहना, साथ-साथ बने रहना 2. एक ही समय पर अस्तित्व रखना। 3. परस्पर विरोधी विचार होते हुए भी समुदायों का शांतिपूर्वक साथ-साथ रहना।

**सहकर्मी** पुं. (तत्.) 1. किसी कार्यालय या संस्था में साथ काम करने वाला 2. जो किसी के साथ मिलकर काम करता हो।

**सहकार** पुं. (तत्.) 1. एक दूसरे के कार्यों में सहयोग करने की वृत्ति, क्रिया या भाव 2. कलमी आम का वृक्ष, आम का वृक्ष 3. सुगंधित पदार्थ।

**सहकारता स्त्री** (तत्.) सहकारिता, साथ मिलकर काम करना।

**सहकार समिति स्त्री** (तत्.) उपभोक्ताओं द्वारा मिल-जुलकर सबके लाभ के लिए बनाई गई गैर-सरकारी संस्था जो कुछ वस्तुओं को बनाने-बेचने आदि का काम करती है।

**सहकारिता स्त्री** (तत्.) 1. साथ मिलकर काम करना 2. सहायक होना, सहयोग, सहकार।

**सहकारी** पुं. (तत्.) साथी, संगी वि. 1. सहकर्मी, जो किसी कार्यालय या संस्था में साथ-साथ काम